Publication Date 01.07.2024
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 55 | अंक 07 | 01 जुलाई, 2024 | वार्षिक मूल्य : 500/- | प्रति कापी : 50/-

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

हरकोफैड के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री वेद फुल्लां जी एवं राज्य सभा सांसद श्री सुभाष बराला जी के साथ हरकोफैड की प्रबंध निदेशक श्रीमती सुमन बल्हारा एवं संस्था के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी।

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री अमरपाल राणा जी को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए प्रबंध निदेशक श्रीमती सुमन बल्हारा ।

हरियाणा के नये सहकारिता मंत्री
श्री महिपाल ढ़ांडा

चण्डीगढ़ 19 मार्च, 2024 को श्री महिपाल ढ़ांडा जी को हरियाणा सरकार में सहकारिता एवं विकास पंचायत विभाग के राज्य मंत्री का कार्यभार दिया गया। श्री महिपाल ढ़ांडा जी का जन्म 16 सितम्बर 1974 को गांव – कवि, जिला पानीपत में हुआ। इनके पिता जी का नाम श्री ताराचन्द ढ़ांडा एवं माता जी का नाम श्रीमती ओमपती देवी है। इन्होंने अपनी स्नातक शिक्षा पानीपत से पूरी की है। श्रीमान बाल्यकाल से ही स्वयंसेवक रहे है एवं तृतीय वर्ष शिक्षित हैं।

श्री महिपाल ढ़ांडा जी हरियाणा के पानीपत ग्रामीण से दो बार के विधायक चुने जा चुके हैं। सन् 2014 में ये पानीपत ग्रामीण से पहली बार विधायक चुने गए और 2019 में पानीपत ग्रामीण सीट से पानीपत की जनता ने इनको दूसरी बार अपने विधायक के रूप में स्वीकार किया। श्रीमान जी पूर्व में भी 1996 से 2004 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् में प्रदेश सहमंत्री, 2004 में भाजपा जिला पानीपत उपाध्यक्ष, 2006 से 2009 तक पानीपत भाजपा जिला महामंत्री, 2009 से 2012 तक हरियाणा भाजपा युवामोर्चा प्रदेशाध्यक्ष, 2012 में हरियाणा भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष और हरियाणा भाजपा में प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे विभिन्न दायत्वों का कार्यभार सम्भाल चुकें हैं।

आप जैसे प्रतिभावान राजनेता के सहकारिता राज्यमंत्री बनने से सहकारिता विभाग को महत्वपूर्ण विषयों पर आपका मार्गदर्शन मिलने का सौभाग्य प्राप्त होगा और आपके कुशल नेतृत्व में सहकारिता विभाग को एक नई दिशा में कार्य करने का सुअवसर भी प्राप्त होगा।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ (हरकोफैड) के नवनियुक्त अध्यक्ष - श्री वेद फुल्ला

चण्डीगढ़ 15 मार्च 2024 को हरियाणा सरकार द्वारा श्री वेद फुल्लां को हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड) के अध्यक्ष का कार्यभार दिया गया है। श्री वेद फुल्ला जी ने दिनांक 16 मार्च, 2024 को हरकोफैड कार्यालय, पंचकुला में अपने पद का कार्यभार सम्भाला। इस अवसर पर राज्यसभा के सांसद श्री सुभाष बराला जी एवं फतेहाबाद के गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

श्री वेद फुल्ला जी का जन्मस्थान फतेहाबाद है। इनके पिता का नाम स्वर्गीय श्री फूल सिंह व माता का नाम श्रीमती भगवानी देवी है। इन्होने अपनी स्नातक शिक्षा एम.एम. कॉलेज फतेहाबाद से पूर्ण की है।

श्री वेद फुल्ला वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी सिरसा के भी जिला प्रभारी हैं एवं पूर्व में जिला प्रभारी कैथल, जिला अध्यक्ष फतेहाबाद, प्रदेश सदस्यत स्टेचू ऑफ यूनिटी, जिला सदस्यता प्रमुख फतेहाबाद, मंडल महामंत्री, प्रदेश प्रमुख सोशल मिडिया BJYM, जिला अध्यक्ष BJYM, जिला महामंत्री BJYM, मंडल अध्यक्ष BJYM, मंडल महामंत्री BJYM जैसे महत्वपूर्ण दायित्व संभाल चुके हैं।

श्री वेद फुल्लां जी ने **मेरे बुजर्ग मेरे ईष्ट देवता तीर्थ दर्शन यात्रा** – के तहत 60 साल से ऊपर के गरीब माता–पिता तुल्य बुजर्गों को फ्री तीरथ दर्शन करवाते है और अब तक 15 गावों में से एक हजार बुजुर्गों को फ्री यात्रा करवा चुके है।

आप जैसे प्रतिभावान राजनेता एवं सामाजिक व्यक्ति के अध्यक्ष बनने से हरकोफैड को नई ऊर्जा मिली है एवं संस्था की नई नीतियों को साकार रूप देने में आपका महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लि0 के नवनियुक्त अध्यक्ष - श्री अमरपाल राणा

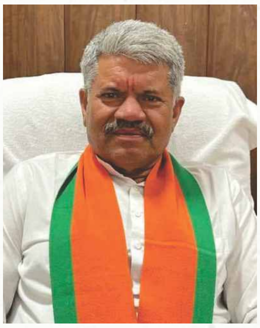

चण्डीगढ़ 15 मार्च 2024 को हरियाणा सरकार द्वारा श्री अमरपाल राणा को हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लि0 के अध्यक्ष का कार्यभार दिया गया है। श्री अमरपाल राणा जी का जन्म स्थान गांव मुआना, तहसिल सफीदों, जिला जींद है। इनके पिता का नाम श्री रघुबीर सिंह है।

श्री अमरपाल राणा जी वर्तमान में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, प्रदेश चुनाव कार्यालय सहसयोंजक (प्रदेश चुनाव संचालक समिति) का दायित्व भी निभा रहे हैं। इन्होने सन् 1980 में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की एवं पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में अनेक पदों पर कार्य किया जैसेः– मण्डल अध्यक्ष, प्रांत सयोजंक खेल प्रकोष्ठ, जिला महामंत्री (2006–2015) जिलाध्यक्ष (2015–2020) जिलाप्रभारी (2020–2024) प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, लोकसभा, विधान सभा चुनाव (उ.प्र एवं दिल्ली)। इन्होने अध्यक्ष ग्राम सुधार समिति के तहत आस–पास के गांव से शराब के ठेकों पर पाबंदी लगाने का कार्य किया।

श्रीमान अमरपाल राणा जी ने अध्यक्ष का कार्यभार संभालते ही किसानों के हित के लिए सरकारी योजनाएं लागू करने का काम किया एवं ऋण माफी योजना का लाभ प्रदान किया। आप के कुशल नेतृत्व में बैंक की कार्यप्रणाली एवं नई नीतियों को सकारात्मक बढ़ावा मिलेगा।

सम्पादकिय

सहकार से समृद्धि

सहकार से समृद्धि पहल एक परिवर्तनकारी प्रयास है, जिसका उद्देश्य भारत की आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों की क्षमता का उपयोग करना है। इसका नेतृत्व केन्द्रिय सहकारिता मंत्रालय कर रहा है।

सहकारी क्षेत्र देश के मूल के करीब रहा है। देश में किसानी और सहकारिता आंदोलन रोजगार देने का एक प्रमुख ज़रिया है, इसीलिए सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करने, सहकारी क्षेत्र को पुनर्जीवित करने, पारदर्शिता लाने, आधुनिकीकरण, कंप्यूटरीकरण करने, प्रतिस्पर्धी सहकारी समितियां बनाने और देश भर में जमीनी स्तर तक इसकी पहुंच को गहरा करने के लिए, सरकार 'सहकार से समृद्धि' के तहत कार्रवाई कर रही है तथा उत्पादकता और लाभप्रदता को बढ़ाने के लिए सहकारिता मंत्रालय अपनी स्थापना के बाद से विभिन्न पहल कर रहा है जैसे –

- प्राथमिक सहकारी समितियों को पारदर्शी और आर्थिक रूप से जीवंत बनाना (14 पहल)
- शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंकों को मजबूत बनाना (9 पहल)
- आयकर अधिनियम में सहकारी समितियों को राहत (6 पहल)
- सहकारी चीनी मिलों का पुनरुद्धार (4 पहल)
- राष्ट्रीय स्तर पर तीन नई बहु–राज्य सोसायटी (3 पहल)
- सहकारिता में क्षमता निर्माण (3 पहल)
- 'व्यापार करने में आसानी' के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग (2 पहल)

इसके अतिरिक्त सहकारिताओं ने आर्थिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी कर विकास के स्तम्भ के रूप में पहचान बनाई है। यह गौरवमयी इतिहास की लम्बी गाथा है जो सभी सहकारों के हौंसले बुलन्द करती है। इसलिए हमारे समाज का कोई भी हिस्सा ऐसा नहीं है जो सहकारिता से प्रभावित न हो।

वर्तमान में सहकारिताएं सक्षम है और सभी समस्याओं का एक मात्र विकल्प भी सहकारिताओं के पास ही है। इसे अब कर दिखाने के लिये हम सभी को मिल–जुल कर समर्पित भावना से कार्य करना होगा।

भारत में सहकारी समितियों का भविष्य आत्मनिर्भरता, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धात्मकता की कल्पना करता है। सहकारी समितियाँ आधुनिक प्रथाओं, सुदृढ़ शासन और वित्तीय व्यवहार्यता को अपनाएँगी। वे वाणिज्यिक फर्मों के साथ प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करेंगी और भारत के आर्थिक विकास में योगदान देंगी।

हरियाणा प्रदेश ने "**सहकार से समृद्धि**" का जिम्मा जोरो–शोरो से उठाया हुआ है और सहकारी संस्थाओं को अधिकाधिक महत्व दिया है। साथ–साथ हरकोफैड ने भी सहकारी शिक्षा, सहकारी सिद्धान्त एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता एवं सक्रिय सदस्यता के सफल प्रयासों को पूर्ण किया है और आगे भी सहकारिता के विशाल पथ पर सरपट दौड़ने की नई नितियों को साकार रूप देने का कार्य कर रहा है।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
डॉ. राजा सेखर वुंदरू, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
सुमन बल्हारा
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव शर्मा

सुविचार

एक समय में एक काम करो और ऐसा करते हुए अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब भूल जाओ।

–स्वामी विवेकानन्द

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	14000/–
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	9000/–
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/–
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	4000/–

इस अंक में पढ़िए

मनोहर लाल खट्टर को मोदी कैबिनेट में मिली जगह, 8-9
चुनावी राज्य हरियाणा से कौन-कौन बने मंत्री?
श्री अनिल कुमार शर्मा सचिव पद से सेवानिवृत 9
तीन नई सहकारी समितियां कृषि से जुड़ी 10
ई-क्षतिपूर्ति तहत सीएम ने किसानों खातों में डाले 134 करोड़ 11
मेड बाई इंडिया' से ही विकास संभव 11
हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री महिपाल ढांडा 12-13
एमएसपी बढ़ोतरी किसान हितैषी फैसला : वेदफूंला 13
पंचायतों को वित्तीय रूप से सशक्त करने के प्रयास 14
एक मुश्त कर्ज निपटान योजना (हाऊसफैड) 15
शहरों में बिना एनडीसी खरीदी व बेची जाएगी कृषि भूमि 16
योग का ही एक रूप है हास्य भी 17
हरियाणा सरकार की किसान हितैषी प्रमुख योजनाएं 18-22
नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान - किसान सभा 23
दुर्लभ होते हैं ऐसे मददगार 24-25
World Environment Day 25
मृदा परीक्षण कार्यक्रम 26
कविता 27
कहानी 28-29
विज्ञापन 30

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

Website
https://www.harcofed.org.in

मनोहर लाल खट्टर को मोदी कैबिनेट में मिली जगह, चुनावी राज्य हरियाणा से कौन-कौन बने मंत्री?

श्री नरेंद्र मोदी जी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। वहीं राव इंद्रजीत सिंह और कृष्णपाल गुर्जर ने राज्य मंत्री पद की शपथ ली.

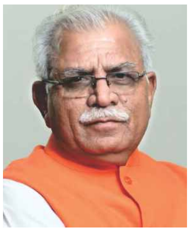

मनोहर लाल खट्टर करनाल सीट से सांसद चुने गए हैं, खट्टर करीब 10 साल तक हरियाणा के सीएम रहे, लोकसभा चुनाव से पहले सीएम पद से इस्तीफे के बाद बीजेपी ने उन्हें उम्मीदवार बनाया।

करनाल लोकसभा सीट पर विपरीत परिस्थितियों में भी मनोहर लाल खट्टर ने कांग्रेस प्रत्याशी दिव्यांशु बुद्धिराजा को 2 लाख 32 हजार 577 वोटों के अंतर से हराया. लोकसभा चुनाव के दौरान ये कयास लगने शुरू हो गए थे, उनके जीतने के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है और आज पीएम मोदी ने चाय पर बुलाने के बाद इस की दोपहर में ही पुष्टि कर दी थी.

केंद्र में इन तीन दिग्गजों को जगह देने के पीछे भारतीय जनता पार्टी के अभी से विधानसभा चुनाव की तैयारी के रुप में देखा जा रहा है. इस साल के आखिर में हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव हैं.

लोकसभा चुनाव में हुए डैमेज की भरपाई के लिए हरियाणा से तीन मंत्रियों मोदी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है. राव इंद्रजीत सिंह और कृष्ण पाल गुर्जर ने भी हरियाणा से मंत्री पद की शपथ ली. इनकी प्रदेश के वोटर्स के एक बड़े वर्ग पर अच्छी पकड़ मानी जाती है.

राव इंद्रजीत सिंह

गुड़गांव लोकसभा सीट से राव इंद्रजीत सिंह ने लगातार चौथी बार और कुल छठी बार सांसद निर्वाचित हुए हुए हैं. राव इंद्रजीत सिंह का शुमार गुड़गांव और हरियाणा के कद्दावर नेताओं में होती है. उन्होंने इस बार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी और मशहूर बॉलीवुड एक्टर राज बब्बर को 75 हजार 79 वोटों के अंतर से हराया.

रेवाड़ी के राजघराने से ताल्लुक रखने वाले 74 वर्षीय राव इंद्रजीत सिंह कुल संपत्ति 122 करोड़ रुपये हैं। वह पिछली मोदी सरकार में राज्य मंत्री थे और उनके पास सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री रहे हैं.

साल 2009 में परिसीमन के बाद लगातार चार बार राव इंद्रजीत सिंह सांसद चुने गए हैं. इससे पहले वह चार बार विधायक भी रह चुके हैं और हरियाणा सरकार में मंत्री रहे। उन्होंने सियासी सफर की शुरुआत कांग्रेस के साथ की, हालांकि साल 2013 में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया। राव इंद्रजीत सिंह बीजेपी के टिकट पर तीसरी लोकसभा के लिए गुड़गांव से निर्वाचित हुए हैं.

कृष्णपाल गुर्जर

कृष्णपाल गुर्जर लगातार तीसरी बार फरीदाबाद लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुए हैं. साल 1994 में बीजेपी से बतौर निगम पार्षद कृष्णपाल गुर्जर ने अपने सियासी सफर की शुरूआत की. साल 1996 में मेवला–महाराजपुर विधानसभा सीट से जीत कर वह पहली बार हरियाणा विधानसभा पहुंचे.

इस दौरान साल 1996 में कृष्णपाल गुर्जर को हरियाणा की बंसीलाल सरकार में परिवहन मंत्री बनाया गया. 67 वर्षीय कृष्णपाल गुर्जर बीजेपी के हरियाणा में एक मजबूत गुर्जर चेहरा हैं. यही वजह है कि वह प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचे. साल 2014 में कृष्णपाल गुर्जर ने पहली लोकसभा चुनाव का फरीदाबाद सीट से लड़ा और जीतकर दिल्ली पहुंचे.

मोदी मंत्रिमंडल में फिर मिली जगह

कृष्णपाल गुर्जर को मोदी सरकार और उनके बतौर सांसद के पहले कार्यकाल में मंत्रिमंडल में जगह दी

गई. उन्हें केंद्र में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और शिपिंग मंत्रालय में राज्यमंत्री बनाया गया. हालांकि बाद में उनके मंत्रालय बदल दिया है. उन्हें नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई. साल 2021 में गुर्जर को विद्युत एवं भारी उद्योग मंत्री मंत्रालय में राज्यमंत्री बनाया गया.

फरीदाबाद लोकसभा सीट से हालिया चुनाव में कृष्णपाल गुर्जर ने कांग्रेस प्रत्याशी 1 लाख 72 हजार 914 महेंद्र प्रताप सिंह को करारी शिकस्त दी. इस जीत के साथ उन्होंने लगातात जीत की हैट्रिक लगाई. विधानसभा चुनाव को देखते हुए कृष्णपाल गुर्जर हरियाणा में बीजेपी के लिए काफी अहम चेहरा हैं।

श्री अनिल कुमार शर्मा, (एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी.) सचिव हुए सेवानिवृत

श्री अनिल कुमार शर्मा ने हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड में 5 जनवरी 1990 को भूमि मूल्यांकन अधिकारी के तौर पर अपनी सेवा शुरू की थी। 29 मार्च 1996 को प्रबधंक बने, 24 जनवरी 2012 को जिला प्रबधंक के पद पर पदोन्नत किया गया। 15 जनवरी 2014 को सहायक सचिव के रूप में 10 सितम्बर 2018 को उप सचिव के रूप में और 13 सितम्बर 2021 को अतिरिक्त सचिव के रूप में पदोन्नत किया गया। 5 जनवरी 2024 को श्री अनिल कुमार शर्मा को सचिव पद पर पदोन्नत किया गया। श्री अनिल कुमार शर्मा के पिता स्व. श्री बीके शर्मा 1996 में इसी बैंक से सचिव पद से सेवानिवृत हुए थे अपने पिता कि भांति श्री अनिल कुमार शर्मा भी 31 मई 2024 में सचिव पद से सेवानिवृत हुए है।

इस अवसर पर एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी. के अध्यक्ष श्री अमर पाल राणा जी एवं प्रबन्ध निदेशक श्रीमती सुमन बल्हारा जी ने उनके जीवन की मंगलकामना की।

तीन नई सहकारी समितियां कृषि से जुड़ी दिक्कतों को सुलझाएगी, किसानों की आय बढ़ेगी

अमित शाह
सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

वैश्विक जैविक उत्पादों का बाजार कुल 10 लाख करोड़ रुपये का है। भारत का जैविक उत्पादों का निर्यात केवल 7,000 करोड़ रुपये है। हम भारत के जैविक निर्यात को 70,000 करोड़ रुपये तक ले जाना चाहते हैं। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमने बीज सहकारी लिमिटेड के लिए 5 वर्ष में 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा टर्नओवर का लक्ष्य तय किया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह - सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए जैविक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सरकार ने आने वाले वर्षों में जैविक खाद्य वस्तुओं का निर्यात 10 गुना बढ़ाकर 70,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है।

सहकारिता मंत्री शाह नौरोजी नगर के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में तीन राष्ट्रीय स्तर की बहुराज्यीय सहकारी समितियों – भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (एनसीईएल) के 31,000 वर्ग फुट क्षेत्र को कवर करने वाले नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, इन समितियों का उद्देश्य देश में कृषि क्षेत्र की समस्याओं को दूर करके जैविक खाद्य पदार्थों समेत अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना है। ऐसा होने से किसानों की आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान शाह ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अगले पांच वर्षों में हर जिले में जैविक फार्म और उत्पादों को प्रमाणित करने के लिए एक प्रयोगशाला होगी। शाह ने कहा कि एनसीओएल देश में जैविक खेती को बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा कि वैश्विक जैविक उत्पादों का बाजार कुल 10 लाख करोड़ रुपये का है। भारत का जैविक उत्पादों का निर्यात केवल 7,000 करोड़ रुपये है। हम भारत के जैविक निर्यात को 70,000 करोड़ रुपये तक ले जाना चाहते हैं। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमने बीज सहकारी लिमिटेड के लिए 5 वर्ष में 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा टर्नओवर का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक कृषि उपज बाजार 2155 अरब डॉलर का है। इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 45 अरब डॉलर है। 2030 तक इसे 115 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि इन तीन समितियों के माध्यम से आने वाले दिनों में ऑर्गेनिक प्रोडक्ट, बीज संरक्षण और संवर्धन और एक्सपोर्ट के क्षेत्र में सभी खाई (गैप्स) को भरने में सफलता मिलेगी।

तीनों समितियां कृषि और संबंधित गतिविधियों से जुड़े लोगों के उत्थान को सुनिश्चित करेंगी और प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) के माध्यम से किसानों से कृषि उपज और बीज की खरीद करेंगी। इससे पैक्स को और मजबूती मिलेगी, क्योंकि इससे जुड़े किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य मिलेगा। समितियां यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से काम करेंगी कि शुद्ध अधिशेष (नेट सरप्लस) पर मुनाफा सीधे किसानों के खातों में जाए।

ई-क्षतिपूर्ति के तहत सीएम ने 49,325 किसानों के खातों में डाले 134 करोड़

हरियाणा के सीएम श्री नायब सिंह सैनी ने 49,325 किसानों के खातों में ई–क्षतिपूर्ति के तहत 134 करोड़ रूपये डाले। साथ ही दयालु योजना के तहत 3,527 परिवारों के खातों में भी 131.14 करोड़ ट्रांसफर किए।

भिवानी में आयोजित कार्यक्रम में ई–क्षतिपूर्ति व दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) का लाभ लेने वाले परिवारों को संबोधित कर सीएम ने कहा कि सरकार किसानों, गरीबों, महिलाओं और युवाओं सहित प्रत्येक वर्ग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने किसानों के हित को सर्वोपरि मानते हुए एमएसपी की दरों में लगातार बढ़ोतरी की है।

'मेड बाई इंडिया' से ही विकास संभव

-योगेश शर्मा, प्रबन्ध निदेशक, हाउसफैड
मो. 9467523666

आयात में उदारीकरण से भारत के उत्पादन तंत्र पर विदेशी कंपनियों का स्वामित्व व नियंत्रण हो गया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि देश में उत्पादों व ब्राण्डों का विकास कर उनके उत्पादन, विपणन व निर्यात संवर्द्धन का हम सभी प्रयत्न करें। भारतीय उद्यम व भारतीय उद्यमी, अपने उत्पादों व ब्राण्डों को विश्व में प्रतिस्थापित कर सकें इस हेतु भारतीयों को अपनी क्रय प्रणाली बदलनी होगी।

देश को स्वालंबन व विकास के मार्ग पर अग्रसर करने हेतु तकनीकी व आर्थिक राष्ट्रवाद का अनुसरण कर सभी प्रकार की वस्तुओं व सेवाओं के अपने भारतीय ब्राण्ड विकसित करने चाहिए। देश में विकसित उत्पादें व ब्राण्डों अर्थात मेड बाई इंडिया के प्रचार प्रसार के लिए सभी को प्रयत्न करने चाहिए। देश विदेश में उनका चलन बढाने के क्रम में सर्वप्रथम आम भारतीय में स्वदेशी भाव का जागरण परम आवश्यक है।

नैफेड एक सहकारी संस्था है जो अनेक प्रकार की दालों का विक्रय करती है। नैफेड का SCO No. 159 Sector 5 में बिक्री केन्द्र भी है। हैफेड भी सहकारी संस्था है जो अनेक प्रकार के उत्पाद विक्रय करती है। सहकारिता से जुडे सभी लोगों को तो सहकारी संस्थानों के उत्पादों को क्रय करने में प्राथमिकता देनी ही चाहिए।

खरीदारी में सहकारी संस्थाओं अथवा भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों के उत्पादों को वरीयता देने का भाव, राष्ट्र निष्ठा व आर्थिक राष्ट्रवाद से संबंद्ध है।

सकल घरेलू अत्पाद की गणना में आयात निर्यात का अंतर भी शामिल है। अतः आयात कम करके व भारतीय उत्पादों के निर्यात में वृद्धि करने से भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार हो सकता है। यदि भारतीय प्रत्येक खरीदारी से पूर्व सहकारी संस्थानों व भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों के उत्पादों को क्रय करने में प्राथमिकता देना आरंभ कर दे ंतो भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार हेतु उनका योगदान रहेगा।

जहाँ भारतीय उत्पाद उपलब्ध है, कम से कम उन क्षेत्रों में तो उन्हे वरीयता दी ही जानी चाहिए। यदि भारतीय प्रत्येक खरीदारी से पूर्व, उत्पाद/कंपनी के स्वामित्व बारे मोबाइल पर सर्च करने की व भारतीय कंपनियों को प्राथमिकता देने की आदत बना लें, तो भी व्यवस्था में काफी सुधार आ सकता है।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री महिपाल ढ़ांडा ने उद्योगपतियों तथा समाज के समर्थ लोगों का आह्वान किया कि वे स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को अपनाकर गरीब के घर में हर रोज दिवाली मनवाने का संकल्प लें

सूरजकुंड में सीएक्सओ मीट में मंत्री ढ़ांडा ने महिलाओं को सशक्त बनाने में मांगा उद्योगपतियों से सहयोग

गरीबी उन्मूलन के साथ भारत को विकसित बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को दें मजबूती - मंत्री ढ़ांडा

चंडीगढ़, 21 जून – हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री महिपाल ढ़ांडा ने उद्योगपतियों तथा समाज के समर्थ लोगों का आह्वान किया कि वे स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को अपनाकर गरीब के घर में हर रोज दिवाली मनवाने का संकल्प लें, सरकार भी गरीबों की भलाई के लिए तत्पर है। गरीबी उन्मूलन के साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करें।

विकास एवं पंचायत मंत्री श्री महिपाल ढांडा आज फरीदाबाद के सूरजकुंड में आयोजित स्वयं सहायता समूहों की सीएक्सओ मीट को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में किया गया। सीएक्सओ मीट का शुभारंभ करते हुए श्री ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया, जिसे हासिल करने के लिए प्रदेश सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत को पुनः विश्व गुरू बनाने के लिए देश की आधी आबादी (महिलाओं) को सशक्त बनाना होगा, जिसमें उद्योगपतियों का विशेष सहयोग अपेक्षित है। इसके लिए करोड़ों बहनों को लखपति दीदी बनाना है, जिसके लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सफल प्रयास जारी है। प्रदेश में लगभग छह लाख बहनों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। अब सांझा बाजार स्थापित करके समूहों की बहनों को और अधिक अवसर प्रदान किये जायेंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी जिलों में पॉश इलाकों में समूहों की बहनों के लिए काउंटर दिलवाने की व्यवस्था की जाए।

पंचायत मंत्री ने कहा कि को–आपरेटिव विभाग भी उनके पास है, जिसके माध्यम से किसानों की आय में वृद्घि के लिए प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि वे नगदी फसलों को लेकर किसानों के लिए एक पॉलिसी का निर्माण करवायेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि एनसीआर में दूध–दही–घी की अत्यधिक मांग है, जिसे पूरा करने लिए वीटा बूथों को स्थापित करवाएंगे। सब्जियों की मांग को पूरा करने के लिए भी किसानों के सहयोग से नीतिबद्घ तरीके से काम करेंगे। उन्होंने अपने हैचरी उद्योग का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए विभिन्न उदाहरणों से समझाने का प्रयास किया कि देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। प्रतिभाशाली युवाओं को सही प्लेटफार्म व अवसर प्रदान करने की जरूरत है। एक लाख रुपये से कम आय वाले लाखों परिवार है जिनमें रहने वाले युवाओं में हुनर की कोई कमी नहीं है। उनके हुनर को निखारने के लिए सरकार सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि गोबरधन योजना के तहत विद्युत उत्पादन की दिशा में कदम बढ़ायेंगे।

मंत्री ने कहा कि मिट्टी के बर्तन बनाने वाली स्वयं सहायता समूहों की बहनों की कला की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारी बहन पुनः पुरानी परंपरा की ओर लौटने का संदेश दे रही हैं, ताकि हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहे। यदि हम मिट्टी के बर्तनों में भोजन करेंगे तो 95 प्रतिशत बिमारियों को घर से दूर रख सकते हैं।

युवाओं व महिलाओं को कौशल विकास देने के लिए कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने तो कौशल विकास के लिए पलवल में विश्वविद्यालय की स्थापना की है।

इस दौरान कौशल विकास भारत सरकार के निदेशक एसके तिवारी तथा हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की सीईओ डा. अमरिंदर कौर ने अपने संबोधन में विस्तृत रूप में स्वयं सहायता समूहों तथा युवाओं के कौशल विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी। सीएक्सओ मीट के दूसरे सत्र में विस्तार से कौशल विकास पर चर्चा की गई। साथ में स्वयं सहायता समूहों को आगे बढ़ाने पर मंथन किया गया। इस मौके पर कौशल प्रशिक्षण लेकर नौकरी हासिल करने वाले युवाओं सहित इस दिशा में बेहतरीन योगदान देने वाले अधिकारियों–कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान मंत्री ढांडा ने

स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थापित विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया और महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

एमएसपी बढ़ोतरी किसान हितैषी फैसला : वेद फूल्ला

चंडीगढ़ :– हरकोफैड चेयरमैन श्री वेद फूल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अन्नदाताओं के हितों को प्राथमिकता देते है। खरीफ सीजन में 14 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाना किसान हितैषी कदम है। फसलों का एमएसपी बढ़ाने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट ने खरीफ की 14 फसलों में धान सामान्य का नया एमएसपी 2300 रूपये होगा, इसमें 170 रूपये की बढ़ोतरी की गई है। धान ए ग्रेड 2320, कॉटन की एमएसपी में 501 रूपये की बढ़ोतरी की गई है।

पहले इसकी एमएसपी 7121 थी, जिसे बढ़ाकर 7521 रूपये किया गया है। मूंग का नया एमएसपी 8682 रूपये होगा, तूर दाल का 7550, मक्कार 2225 रूपये, ज्वार 3371 रूपये, मूंगफली 6783 रूपये होगा। बाजरा 2625 रूपए प्रति क्विंटल खरीदा जाएगा। मूंगफली 6783 रूपए, सूरजमुखी 7280 रूपए, सोयाबीन (पीला) 4893, तिल 9267, रागी 4290 और राई की 8717 रूपए प्रति क्विंटल के भाव बढ़ाकर देश के किसानों को बहुत ही बड़ी सौगात देकर किसानहित के लिए लाभकारी कार्य किया है। हरकोफैड चेरमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के 16 लाख किसानों के खाते में 335 करोड़ की राशि जमा की गई है। प्रदेश सरकार ने भी किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए वर्ष 2014 से अब तक फसलों के खराबे पर मुआवजे के रूप में 12 तीन हजार 500 करोड़ रूपये की राशि सीधा किसानों के खाते में जमा करवाई जबकि पिछली सरकारों ने वर्ष 2000 से लेकर 2014 तक केवल 1100 करोड़ रूपए का मुआवजा किसानों को दिया। सरकार ने डीएपी और यूरिया खाद की कालाबाजारी और लंबी लाईनों को समाप्त करने का काम किया।

वर्ष 2022–23 में अतंरराष्ट्रीय स्तर पर डीएपी और यूरिया के दाम बढ़ने के बावजूद सरकार ने कैबिनेट में यूरिया और डीएपी और यूरिया के दाम बढ़ने के बावजजूद सरकार ने कैबिनेट में यूरिया और डीएपी के दामों की भरपाई सरकार के स्तर पर करने का फैसला लिया और किसानों को केवल 1200 रूपए प्रति थैला ही देना पड़ा। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार ने 14 फसलों पर एमएसपी देने का काम किया। सीएम सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश पहला प्रदेश है, जहां सबसे ज्यादा फसलों पर एमएसपी देने वाला प्रदेश बना।

पंचायतों को वित्तीय रूप से सशक्त करने के लगातार किए जा रहे प्रयास

बिजली निगमों द्वारा एकत्रित पंचायत कर की लगभग 157 करोड़ रुपये की राशि पंचायतों को की गई वितरित - महिपाल ढांडा

चंडीगढ़, 25 जून हरियाणा सरकार द्वारा ग्रामीण आंचल में विकास कार्यों को तेज गति प्रदान करने के लिए पंचायतों को अधिकार देने के साथ–साथ उन्हें वित्तीय रूप से सशक्त करने के भी निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी कड़ी में बिजली निगमों द्वारा एकत्रित पंचायत कर की लगभग 157.37 करोड़ रुपये की राशि भी पंचायतों को वितरित की गई है।

विकास एवं पंचायत राज्य मंत्री श्री महिपाल ढांडा ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा ग्राम पंचायत क्षेत्र की सीमा के भीतर बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली की खपत के लिए बिल के दो प्रतिशत की दर से पंचायत कर लगाया जाता है। हालांकि, इसमें भारत सरकार द्वारा बिजली की खपत, या जहां इसका उपभोग भारत सरकार द्वारा किसी रेलवे के निर्माण, रखरखाव या संचालन में किया जाता है, या कृषि उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग किया जाता है, शामिल नहीं है।

उन्होंने बताया कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) ने 31 मार्च, 2023 तक 107.37 करोड़ रुपये (एकमुश्त) की राशि एकत्र की है और यह राशि यूएचबीवीएन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, पंचकूला, पानीपत, रोहतक, सोनीपत, यमुनानगर और झज्जर जिले की संबंधित ग्राम पंचायतों के खाते में स्थानांतरित कर दी गई है।

इसके अलावा, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) को 50 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है और इसे डीएचबीवीएन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 12 डीडीपीओ को संबंधित ग्राम पंचायतों को आगे वितरण के लिए स्थानांतरित कर दिया गया है। इस प्रकार कुल मिलकार दोनों बिजली निगमों द्वारा 157.37 करोड़ रुपये की राशि पंचायतों को वितरित की गई है।

श्री महिपाल ढांडा ने कहा कि इस राशि का उपयोग गांवों में विकास कार्य करवाने, रखरखाव इत्यादि कार्यों पर खर्च किया जाता है। राज्य सरकार का ध्येय है कि स्थानीय स्तर की सरकार यानि ग्राम पंचायतें न केवल प्रशासनित दृष्टि से बल्कि आर्थिक रूप से सशक्त बनें, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में ढांचागत विकास के साथ–साथ मूलभूत सुविधाएं लोगों को मुहैया हो सकें।

एक मुश्त कर्ज निपटान योजना (हाऊसफैड)
One Time Settlement Scheme (HOUSEFED)

✆ 2575847
2575852

The Haryana State Co-op. Housing Federation Ltd.
Bays No. 49-52, Sector 2, Panchkula (Haryana)

Ref. No. ....   Dated ....

"सूचना"

हरियाणा सरकार ने हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लि0 (हाऊसफैड) की सदस्य समितियों के ऋणी सदस्यों के लिए एक मुश्त कर्ज निपटान योजना स्वीकृत की है। ऋणी सदस्यों के दण्डात्मक ब्याज की माफी योजना 25 जनवरी 2024 से शुरु हो चुकी हैं। योजना के अंतर्गत ऐसे ऋणी जो 31 मार्च 2023 तक अतिदेयी बकायादार है, लाभ प्राप्त करने के पात्र हैं।

इस योजना के अंतर्गत ऋण धारको को ऋण राशि, साधारण ब्याज सहित जमा करवानी होगी अर्थात लिये गये ऋण एवं ब्याज जमा करवाने पर दण्डात्मक ब्याज माफ कर दिया जायेगा। इस योजना के अंतर्गत लगभग 3100 ऋणी सदस्य लाभान्वित होंगे। यह योजना 24 जुलाई 2024 तक लागू रहेगी। अतः सभी अतिदेय ऋणी सदस्यों से अनुरोध है कि संबंधित सहकारी गृह निर्माण समिति के माध्यम से आवास प्रसंघ से लिये गये ऋण को ब्याज सहित आवास प्रसंघ के कार्यालय बेज नं0 49–52 सैक्टर–2 पंचकूला के बचत खाता नं0 110410011001540 IFSC code- UBIN549932 यूनियन बैंक आफ इंडिया सैक्टर–8 पंचकूला में जमा करवा कर सरकार द्वारा जारी दण्डात्मक ब्याज माफी योजना का लाभ उठायें।

11/6/24

प्रबंधक
हरियाणा राज्य सहकारी
आवास प्रसंघ लि0 हरियाणा
पंचकूला

शहरों में अब बिना एनडीसी खरीदी व बेची जाएगी कृषि भूमि, नहीं लगेगी प्रापर्टी टैक्स कालोनियों में खाली प्लाट को बेचने की मिली अनुमति, विकास शुल्क की भी छूट

चंडीगढ़ : हरियाणा के शहरी क्षेत्रों में अब कृषि भूमि या उसके हिस्से की खरीदफरोख्त के लिए नगरपालिकाओं से नो ड्यूज सर्टिफिकेट (एनडीसी) लेने की जरूरत नहीं होगी। भूमि मालिक सीधे अपनी जमीन की रजिस्ट्री करवा सकेंगे। ऐसी संपत्तियों पर किसी तरह का प्रापर्टी टैक्स व विकास शुल्क नहीं देना पड़ेगा। प्रदेश में ऐसी दो लाख 52 हजार संपत्तियों चिहित की गई हैं, जिनके मालिकों को बदले नियमों का फायदा होगा।

शहरों स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बृहस्पतिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि शहरी क्षेत्रों में कालोनियों में स्थित खाली प्लाट को भी बेचने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए प्रार्थी को प्रापर्टी टैक्स व अन्य बकाया शुल्क जमा करने के बाद नो डुयूज सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाएगा। इसके आधार पर वे अपनी संपत्ति को बेच सकेंगे। इससे चार लाख 30 हजार संपत्तियों के मालिकों को लाभ मिलेगा। लाल डोरा के अंदर स्थित अपनी संपत्ति को स्वयं प्रमाणित करने वाले लोगों को भी संपत्ति बेचने की अनुमति दी जाएगी। छह लाख 85 हजार संपत्तियों के मालिकों को इसका लाभ मिलेगा।

राज्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में सभी शहरी क्षेत्रों में 741 अस्वीकृत कालोनियों को नियमित किया जा चुका है। इससे इन कालोंनियों में स्थित एक लाख 71 हजार 368 संपत्तियों के मालिकों को अपनी प्रापर्टी बेचने का अधिकार मिल गया है। बची हुई 433 अनियमित कालोनियों को नियमित करने का कार्य 30 जून तक पूरा कर दिया जाएगा। इसके अलावा 705 छोटे क्षेत्रों (पैच) को भी नियमित किया जा चुका है। ऐसे बचे हुए लगभग 1200 क्षेत्रों (पैच) जो सरकारी भूमि पर, वन क्षेत्रों में या ग्रीन बेल्ट और रोड की भूमि पर होंगे, उन्हें छोड़कर बाकी को 30 जून तक अधिकृत कर दिया जाएगा। इस फैसले से कुल 13 लाख 38 हजार संपत्तियों के मालिकों को लाभ मिलेगा।

30 जून तक नियमित कर दी जाएगी अनियमित 433 कालोनियां

100 गज या इससे बड़े प्लाटों के हो सकेंगे दो हिस्से : पारिवारिक संपति के मामले में 100 गज या इससे बडे प्लाटों के दो हिस्से हो सकेंगे। सबसे छोटा हिस्सा 50 गज तक का होगा। शहरी क्षेत्रो में एचएसवीपी, एचएसआइआइडीसी, टाउन एंड कट्री प्लानिंग की लाइसेस्ड कालोनियो का छोडकर अन्य संपत्तियों को, जो नगर निकायों के नियंत्रण में है, उनका बंटवारा किया जा सकता है।

विल के आधार पर भी होगी रजिस्ट्री

मृत्यु के केस में विल के आधार पर अथवा बिना विल के आधार पर या किसी अन्य कारण से मालिक को समत्ति के ट्रासफर में दिक्कते आ रही थी। अब यह समस्या खत्म होगी। नगर निकाय ऐसे आवेदन पर 30 दिन का नोटिस दो अखबारों में जारी करेगे। इसके बाद उत्तराधिकारी का निर्णय लेकर ट्रांसफर करने की अनुमति प्रदान कर दी जाएगी। ऐसा करने से लोगों को इंतजार नहीं करना होगा और उनको संपत्ति का अधिकार तुरंत प्राप्त हो जाएगा।

रजिस्ट्री होते ही अपने आप प्रापर्टी पोर्टल पर आ जाएगी पूरी जानकारी

प्रदेश में एक लाख 17 हजार 705 संपत्तियों पर आपत्ति लगाए जाने की वजह से लोग राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। उन्हें अब राशि जमा करने की सुविधा प्रदान कर दी गई है। शहरी क्षेत्रों को घर बैठे सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण हरियाणा राज्य औद्योगिक आधारभूत अवसंरचना विकास औद्योगिक निगम एवं तहसील में किसी भी प्रकार की रजिस्ट्री होते ही सभी तरह का विवरण नगर निकायों के प्रोपर्टी पोर्टल पर खुद आ जाएगा। इससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर काटने या किसी के पास भी जाने की जरूरत काटने या किसी के पास भी जाने की जरूरत नही पडेगी। यह सुविधा उन्हें घर बैठे मिलेगी।

योग का ही एक रूप है हास्य भी

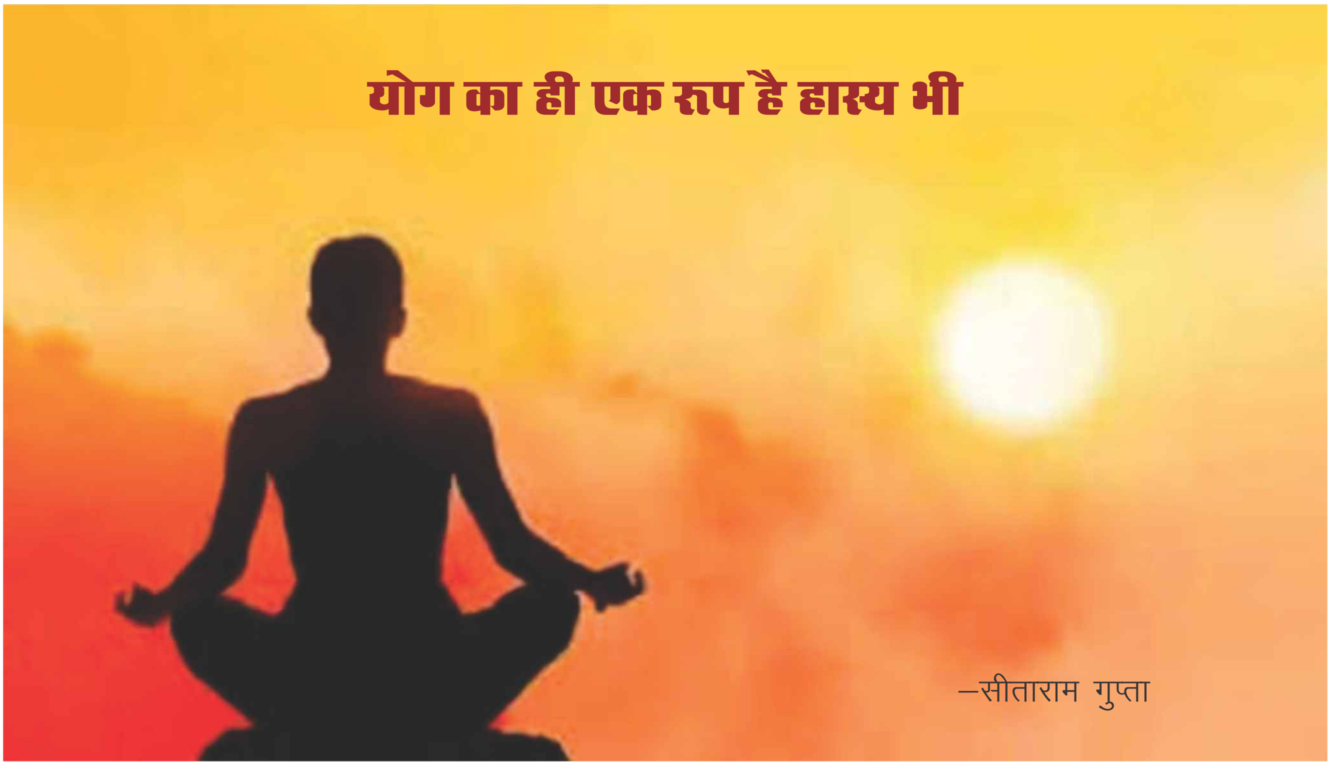

–सीताराम गुप्ता

'योगसूत्र में महर्षि पंतजलि ने योग की परिभाषा दी है, ''योग : चित्तवृति निरोध :'' अर्थात चित वृत्तियों अथवा मन के क्रिया–कलापों पर नियंत्रण भी योग है। हास्य में भी विशेष रूप से खिलखिलाकर हँसने अथवा जोरदार ठहाका लगाने की अवस्था में हम अपनी चित वृत्तियों अथवा मन की चंचलता पर पूर्ण रूप से नियंत्रण कर पाते हैं चाहे वह क्षणिक ही क्यों न हो। मन की चंचलता पर वह क्षणिक नियंत्रण एक अद्वितीय चाहे घटना है क्योंकि इसका प्रभाव देर तक बना रहता है। यह मनुष्य के लिए, उसके अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक लाभप्रद स्थिति है। इन क्षणों की जितनी अधिक पुनरावृति होगी उतना ही हम योगमय जीवन के निकट होते चले जाएँगे। योगाभ्यास में हम क्रम से चलते हैं। पहले यम और नियम का पालन करना सीखते हैं। फिर विभिन्न योगासनों और प्राणायम के विभिन्न प्रकारों का अभ्यास करते हैं। तत्पश्चात प्रत्याहार और धारणा की अवस्थाओं से गुजरते हुए ध्यान की अवस्था में पहुँच जाते है लेकिन एक जोरदार ठहाका अथवा अट्टहास हमें सीधे ध्यानावस्था के निकट ले जाकर छोड़ देता है।

मानव शरीर वस्तुतः एक प्रयोगशाला की तरह है जिसमें हर क्षण निरंतर जीव–रासायनिक (बॉयोकैमिकल) तथा विद्युत–चुम्बकीय (इलैक्ट्रो–मैग्नेटिक) परिवर्तन होते रहते हैं। इन्हीं विभिन्न परिवर्तनों के फलस्वरूप मनुष्य को प्रसन्नता अथवा पीड़ा की अनुभूति होती है। मन की इसमें निर्णायक भूमिका होती है। हमारी मनोदशा के अनुसार ही हमारे शरीर की जीव–रासायनिक संरचना प्रभावित होती है। सकारात्मक मनोदशा का अच्छा तथा नकारात्मक मनोदशा का बुरा प्रभाव हमारे शरीर की जीव–रासायनिक संरचना पर पड़ता है। हँसना एक ऐसी प्रक्रिया है जो मानव मन और शरीर पर केवल सकारात्मक प्रभाव डालती है क्योंकि हँसने की प्रक्रिया में मन की भूमिका गौण या नगण्य हो जाती है। हँसना एक ऐसी प्रक्रिया है जो मानव मन और शरीर पर केवल सकारात्मक प्रभाव डालती है क्योंकि हँसने की प्रक्रिया में मन की भूमिका गौण या नगण्य हो जाती है जो ध्यान की ही अवस्था होती है। हास्य अथवा 'अ–मन' की अवस्था में हम सुख–दुख, राग–द्वेष आदि परस्पर विरोधी भावनाओं से पूर्णतः मुक्त हो जाते हैं। ऐसी अवस्था परमानंद की अवस्था होती है। हास्य द्वारा इसे सरलता से प्राप्त करके अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखना संभव है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा सरकार की किसान हितैषी प्रमुख योजनाएं

कृषि क्षेत्र, भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है जो भारत की आधी से अधिक आबादी को आजीविका प्रदान करता है। खाद्य सुरक्षा प्रदान करते हुए यह देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत विकास दर दर्ज की गई, जबकि 2022–23 में विकास दर 7.0 प्रतिशत थी। वर्ष 2023–24 में वर्तमान मूल्यों पर नाममात्र जीडीपी या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2022–23 में 269.50 लाख करोड़ रूपये के मुकाबले 293.90 लाख करोड़ रूपये का स्तर प्राप्त करने का अनुमान है, जो 9.1 प्रतिशत की विकास दर है। कृषि एकमात्र ऐसा क्षेत्र था जो 3.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ भारत की आर्थिक सुधार के लिए एक चांदी की परत के रूप में उभरा है जो कृषि को देश सार्वजनिक क्षेत्र के समर्थन की बहुत आवश्वकता है। यहां हम कृषि क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं के बारे में बात करेंगे।

कृषि क्षेत्र के विकास में निम्नलिखित सरकारी योजनाओं का अहम् योगदान है :-

1. सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन 2014-15 : सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन विशेष रूप से वर्षा आधारित क्षेत्रों संसाधन संरक्षण के समन्वय पर ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2014–15 में तैयार किया गया।

2. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2015 : प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजन वर्ष 2015–16 के दौरान खेत में पानी की भौतिक पहुंच बढ़ाने और सुनिश्चित सिंचाई के तहत खेती योग्य क्षेत्र का विस्तार करने, खेत

सूबेसिंह, संदीप कुमार एवं रति मुक्तेश्वर विस्तार शिक्षा निदेशालय
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

में पानी के उपयोग की दक्षता में सुधार करने, स्थायी जल संरक्षण प्रथाओं आदि को शुरू करने के लिए वर्ष 2015 में शुरू की गई थी।

3. परम्परागत कृषि विकास योजना 2015-16 : भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बीपीकेपी) परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत एक उप–मिशन है, जो सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत आता हे। बीपीकेपी का लक्ष्य पारंपरिक स्वदेशी प्रथाओं को बढ़ावा देना है, जो किसानों को बाहरी रूप से खरीदे गए इनपुट से आजादी देती है। यह बायोमास मल्चिंग पर प्रमुख जोर देने के साथ खेत पर बायोमास पुनर्चक्रण पर ध्यान केंद्रित करता है, गाय के गोबर–मूत्र मिश्रण का उपयोग, और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सभी सिंथेटिक रासायनिक आदानों का बहिष्कार के लिए वर्ष 2015–16 में शुरू की गई थी।

4. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन 2015-16 : व्यावसायिक आवंटन नियमों के अनुसार, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय को उत्तर पूर्वी क्षेत्र में विकास योजनाओं और परियाजनाओं की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी से संबकि मामलों से निपटना है। इस मंत्रालय का लक्ष्य क्षेत्र की विशेष जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वर्ष 2015–16 में शुरू की गई थी।

5. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2017 : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य किसानों की फसलों को बुआई से पहले से लेकर कटाई के बाद के चरण तक सभी गैर–रोकथाम योग्य प्राकृतिक जोखिमों के खिलाफ 'क्षेत्रीय दृष्टिकोण' पर व्यापक जोखिम कवर सुनिश्चित करने के लिए किफायती फसल बीमा प्रदान करके कृषि उत्पादन का समर्थन करना है। यह वर्ष 2017 में शुरू की गई थी।

6. सूक्ष्म सिंचाई कोष योजना 2019-20 : सूक्ष्म सिंचाई के कवरेज के विस्तार के लिए संसाधन जुटाने में राज्यों की सुविधा के लिए, भारत सरकार ने राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के साथ रूपये के प्रारंभिक कोष के साथ सूक्ष्म सिंचाई के कवरेज का विस्तार करने के लिए विशेष और नवीन परियोजनाएं

शुरू करने लिए और किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए पीडीएमसी योजना के तहत उपलब्ध प्रावधानों से परे सूक्ष्म सिंचाई को प्रोत्साहित करने के लिए एमआईएफ से ऋण प्राप्त कर सकते हैं। भारत सरकार राज्यों द्वारा लिए गए ऋण पर 3 प्रतिशत की दर से ब्याज छूट प्रदान करती है जो पीडीएमसी योजना से पूरी की जाती है।

7. ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार 2016 : ई–एनएएम सभी कृषि उपज बाजार समिति से संबंधित सेवाओं और सूचनाओं के लिए एकल विंडो सेवाएं प्रदान करता है। इसमें अन्य सेवाओं के अलावा कमोडिटी आगमन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मशीनों/उपकरणों द्वारा गुणवत्ता की जांच, ई–बोली, सीधे किसानों के खाते में ई–भुगतान निपटान शामिल है।

8. किसान क्रेडिट कार्ड 1998 : किसान क्रेडिट कार्ड योजना 1998 में बैंकों द्वारा समान रूप से अपनाने के लिए किसानों को उनकी जोत के आधार पर किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने के लिए शुरू की गई थी ताकि किसान बीज, उर्वरक, कीटनाशक जैसे कृषि आदानों को आसानी से खरीदने के िए उनका उपयोग कर सकें। आदि और अपनी उत्पादन आवश्यकताओं के लिए नकदी निकालते हैं। किसानों की निवेश ऋण आवश्यकता के लिए इस योजना को आगे बढ़ाया गया। वर्ष 2004 में संबद्ध और गैर–कृषि गतिविधियाँ। योजना को सरल बनाने और इलेक्ट्रॉनिक किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने की सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से इंडियन बैंक के सीएमडी, श्री टी.एम. भसीन की अध्यक्षता में एक कार्य समूह द्वारा 2012 में इस योजना पर फिर से विचार किया गया। यह योजना केसीसी योजना के संचालन के लिए बैंकों को व्यापक दिशानिर्देश प्रदान करती है। कार्यान्वयन

करने वाले बैंकों के पास संस्थान/स्थान विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप इसे अपनाने का विवेकाधिकार होगा।

9. मृदा स्वास्थ्य कार्ड -2016 : मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भारत सरकार की कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा प्रवर्तित योजना है। इसे सभी राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश सरकारों के कृषि विभाग के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना किसानों के लिए बहुत ही लाभकारी योजना है। भारत में बहुत सारे किसान हैं और वे नहीं जानते है कि अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए उन्हें किस प्रकार की फसलें उगानी चाहिए। असल में, उन्हें अपनी मिट्टी की गुणवत्ता और प्रकार का पता नहीं होता। वे अनुभव से जान सकते हैं कि कौन सी फसलें उगती हैं और कौन सी फसलें खराब हो जाती हैं। लेकिन वे नहीं जानते कि मिट्टी की स्थिति सुधारने के लिए वे क्या कर सकते है।

10. पीएम-कुसुम 2019 : पीएम–कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्चा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान) योजना का उद्देश्य भारत में किसानों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है , साथ ही गैर–जीवाश्म–ईधन स्त्रोतों से बिजली की स्थापित क्षमता की हिस्सेदारी को 40 प्रतिशत तक बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता का सम्मान करना है। वर्ष 2023 तक राष्ट्रीय स्तर पर एक लक्ष्य के रूप में रखा गया है।

11. पीएम किसान सम्मान निधि योजना -2019 : आर्थिक और सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र और राज्य सरकारें इन समुदायों के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही हैं। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा 2019 में पीएम–किसान (पीएम किसान सम्मान निधि योजना) शुरू की गई थी।

इन उपरोक्त स्कीमों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा किसान हित में निमनिलिखित योजनाएं लागू की गई है जो इस प्रकार है :

किसान कृषि आदान योजना

1. उच्च/उन्नत/हाइब्रिड बीजों की खरीद और उपकरणों की खरीद की लिए सब्सिडी : हरियाणा बीज विकास निगम के माध्यम से प्रमाणित बीजों पर सब्सिडी देकर किसानों की मदद करे का प्रस्ताव हैं विशिष्ट ग्रेविटी सेपरेटर और अन्य मशीनरी/उपकरणों की खरीद के लिए व्यवस्था की गई है। इस योजना का उद्देशय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग और एच.एस.डी. सी. के परामर्श से जैविक कृषि उत्पादों को प्रोत्साहित करना है। इसलिए, एचएसएएमबी ने बजट प्रदान किया है। हरियाणा बीज विकास निगम को सहायता प्रदान करने के लिए धनराशि का प्रावधान किया है।

2. क्षारीय भूमि के सुधार के लिए जिप्सम की खरीद पर सब्सिडी : जिप्सम मिट्टी की उत्पादकता में सुधार का महत्वपूर्ण कारक है। भारत सरकार ने सब्सिड‑ देने से मना कर दिया है, इसलिए जिप्सम का उपयोग कम हो गया है। क्षारीय भूमि को उपजाऊ तभी बनाया जा सकता है जब जिप्सम का प्रयोग किसान करें। यह खर्च अब हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इसलिए एचएसएएमबी ने जिप्सम की खरीद के लिए सब्सिडी के रूप में एचएलआरडीसी को अनुदान के लिए बजट प्रदान किया है।

3. हरियाणा बीज विकास निगम को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराना : कृषि उत्पादन में सुधार के लिए किफायती मूल्य पर

गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। एचएसएएमबी जो किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के प्रयास में एचएसडीसी की मदद कर सकता है। एचएसएएमबी ने एचएडीसी नको 6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज पर कार्यालय पूंजी प्रदान की है जो एचएसडीसी द्वारा बीज की बिक्री के बाद वापस की जाएगी।

वित्तीय सहायता योजना

1. किसान उपहार योजना : किसानों को नियमित आधार पर अपनी बेची हुई फसल के रिकॉर्ड सबूत के तौर पर सम्बन्धित आढ़ती/आढ़तियों से जे फॉर्म लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कृषक उपहार योजना को आरम्भ किया गया। इसलिए मार्किट कमेटी एवं राज्य स्तर पर उन किसानों को, जो कृषि उपज के विक्रय उपरान्त आढ़तिया से जे फॉर्म प्राप्त करेंगे, कृषक उपहार योजना के तहत पुरस्कार वितरित किए जाऐंगे।

इस योजना की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित है :

1. यह योजना समर्थन मूल्य व गैर–समर्थन मूल्य की सभी फसलों जैसे कि गेहूँ, जीरी, कपास, तिलहन, दालें, बासमती धान एवं अन्य फसलें जो सरकार द्वारा खरीदी जा रही हो या प्राईवेट द्वारा सभी पर लागू होंगी।

2. जो किसान अपनी कृषि उपज को आढ़ती के पास बेच कर जे फॉर्म लेकर वास्तव में उसको दर्ज कराता है वह इस योजना में लाभ का पात्र होगा।

3. उपहार कूपन जारी करने से पहले सचिव, मार्किट कमेटी जे फार्म में वर्णित कृषि उपल की जांच एच रजिस्टर से करेगा या आढ़ती से जे फॉर्म सत्यापित करवाया जाना आवश्यक है।

2 भावान्तर भरपाई योजना

मुख्य उद्देश्य :

- मंडी में फल एवं सब्जी की कम कीमत के दौरान किसानों को निर्धारित संरक्षित मूल्य द्वारा जोखिम को कम करना
- कृषि में विविधता के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना (इसमें टमाटर, प्याज, आलू व फूलगोभी शामिल हैं)
- मंडी में निर्धारित अवधि के अन्दर सब्जी के कम दाम में बिकने पर वेबसाइट ;ूण्मीींतपकण्पदद्ध पर ठठल ई–पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत किसानों को भाव के संरक्षित मूल्य तक भरपाई।
- मुख्यमंत्री किसान एवं खेतिहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना यह योजना 01 जनवरी 2014 में लागू की गई है। यह योजना हरियाणा कृषि उपज मंडी अधिनियम 1961(23) की धारा 28 के खंड के अंतर्गत लोक हित में लागू की गई।

मुख्य उद्देश्य :

- कृषि कार्यों के दौरान किसी किसान या मजदूर को शारीरिक नुकसान होने पर आर्थिक सहायता प्रदान करना
- खेत में कृषि यन्त्र चलते समय किसान या मजदूर की मृत्यु या अंगहानि होने पर सहायता
- मंडी में कृषि उत्पादन को उतारते, शिफ्ट करते या तोलते समय मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता।

किसान बाजार सहायता योजना

यह सामान्य है कि फसलों का विविधीकरण कठिन प्रक्रिया है जब तक कि किसानों को सुनिश्चित विपणन प्रदान नहीं किया जाता। हालांकि अनुबंध खेती की शुरूआत एक उपाय है, फिर भी किसानों को विपणन के लिए सीधी सहायता प्रदान की जाए तो यह फायदेमंद होगा। यह सहायता किसानों के समूह को दी जाएगी और चयनित जिलों और चयनित फसलों के लिए पायलट आधार पर शुरु की गई ह। इसमें निम्नलिखित विशिष्ट उपाय किए जाने का प्रस्ताव है :–

परिवहन में सहायता : किसानों को सब्जियों और फलों/फूलों को बाजार तक ले जाने में सक्षम बनाने के लिए अधिमानत : एयर कूल्ड/रेफ्रिजेरेटेड वैन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव।

पैकेजिंग सामग्री में सहायता : प्लास्टिक बैग/क्रेट्स आदि में उत्पाद की पैकेजिंग में सहायता ताकि बार–बार संभालने के कारण होने वाली गुणवत्ता या मात्रा में होने वाली हानि को कम किया जा सके।

प्रचार-प्रसार में सहायता :

- किसान सहकारी समितियां, संघों, किसान क्लबों या स्वयं सहायता समूहों, जो अपने उत्पाद का विपणन

करने के इच्छुक हैं, साहित्य के मुद्रण, विज्ञापन आदि के प्रचार के लिए सहायता दी जा सकती है।

- इसलिए, किसान इनपुट योजना के अंतर्गत बजट की व्यवस्था की गई है और राजस्व भुगतान में नए बनाए गए शीर्ष 'नई योजनाएं' के तहत उप शीर्ष 'किसान बाजार सहायता योजना'के तहत बजट का प्रावधान किया गया हे।

नई योजनाएं और पहल

1. कृषि-व्यवसाय और सूचना केंद्रों की स्थापना : ये केंद्र सभी जिला मुख्यालय मंडियों में स्थापित किए जा रहे हैं ताकि बाजार, कृषि संबंधी प्रथाओं और संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, खरीदार–विक्रेता बैठकों आदि की जानकारी प्रदान की जा सके। इन केंद्रों में कृषि विकास अधिकारी भी हैं और किसानों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुधार में मदद करते हैं। सिरसा और हिसार में ऐसे दो केंद्रों को पहले ही चालू कर दिया गया है और सभी जिला मुख्यालयों में केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।

2. किसान बाजारों की स्थापना : किसानों को अपनी उपज सीधे उपभोक्ताओं को बेचने का अवसर प्रदान करने और किसानों के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए, पंचकूला और गुड़गांव में दो किसान बाजार स्थापित किए जा रहे हैं। ये किसान बाजार कृषि/बागवानी विशेषज्ञों के सहयोग से किसानों को सूचना के प्रसार और तकनीकी इनपुट और जानकारी प्रदान करने के लिए एक नोडल बिंदु भी होंगे। यह गुणवत्ता नियंत्रण और प्रमाणन उपायों को शुरू करके किसानों को उनकी उपज का मूल्य जोड़ने में भी मदद करेगा।

3. अनुबंध खेती : अनुबंध खेती को शुरू करने के लिए पंजाब कृषि उत्पाद बाजार अधिनियम, 1961 में आवश्यक संशोधन किए गए हैं।

4. नए आधुनिक फल और सब्जी बाजारों की स्थापना : प्रत्येग जिला मुख्यालय पर चरणबद्ध तरीके से नई फल एवं सब्जी मण्डी स्थापित की जायेगी जो अलग–अलग खुदरा एवं थोक वर्ग उपलब्ध कराएगी। ऐसे बाजारों में उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए आधुनिक सुविधाएं और किसानों के उत्पादों की जानकारी और गुणवत्ता उन्नयन के लिए बेहतर व्यवस्था होगी। इन बाजारों में भंडारण की सुविधा और शीतलन कक्ष होंगे।

5. मुख्यालय में वाणिज्यिक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण प्रभागों का निर्माण : ये डिवीजन विपणन, फसल के बाद के प्रबंधन, क्रेता–विक्रेता बैठक आयोजित करने और थोक खरीदारों और किसानों के बीच अनुबंध को बढ़ावा देने पर प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

6. राई (सोनीपत) में एक आधुनिक टर्मिनल फल एवं सब्जी मंडी की स्थापना : भारत सरकार की सहायता से राई में फलों और सब्जियों के लिए अल्ट्रा मॉडर्न टर्मिनल मार्केट की स्थापना के लिए एक बड़ी पहल की गई है, जिसकी क्षमता प्रति दिन 1000 मीट्रिक टन से अधिक होगी। यह बाजार पंजीकृत थोक खरीदारों और निर्यातकों को पूरा करेगा और इसमें इलेक्ट्रॉनिक ग्रेडिंग–सॉर्टिंग लाइन, कूलिंग चौंबर और इलेक्ट्रॉनिक बिडिंग सिस्टम होंगे। मॉडल में 50 किलोमीटर के जलग्रहण क्षेत्र में चयनित गांवों में संग्रह केंद्र स्थापित करने की भी परिकल्पना की गई है। पहले चरण में ये संग्रह केंद्र किसानों को ग्रेडिंग और सॉर्टिंग, सूचना, बैंक और बीमा की सभी सविधाएं प्रदान की जा रही है।

उद्देश्य : समृद्ध - हमारी पहचान

सुविधाओं की उपलब्धता :

- किसान का पंजीकरण, फसल का पंजीकरण, खेत का ब्यौरा और फसल का ब्यौरा।
- किसानों के लिए एक ही जगह पर सारी सरकारी सुविधाओं की उपलब्धता और समस्या निवारण के लिए एक अनुठा प्रयास।
- कृषि संबंधित जानकारियाँ समय पर उपलब्ध करना।
- खाद्य, बीज, ऋण व कृषि उपकरणों की सब्सिडभ् समय पर उपलब्ध करवाना।
- फसल की बिजाई–कटाई का समय व मंडी संबंधित जानकारी उपलब्ध करना।
- प्राकृतिक आपदा–विपदा के दौरान सही समय पर सहायता दिलाना।

नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान - किसान सभा, गांव करंडी

टोहाना : 21 मई 2024 को गांव करंडी में इफको टोहाना द्वारा किसान सभा एवं ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया प्लस का स्प्रे प्रदर्शन लगाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि श्री कुलवंत सिंह (इफको डेलिगेट) मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्री सुशील कुमार (क्षेत्रीय अधिकारी इफको टोहाना) श्री हरकीरत सिंह (धारसुल पैक्स) श्री विवेक मुंड (इफको एमसी) श्री सोमनाथ (इफको बाजार कुलां) श्री सुनील (ड्रोन पायलट) श्री अनुप सिंह (ड्रोन पायलट) मौजूद रहे। कार्यक्रम में सुशील कुमार ने इफको के नवीनतम उत्पाद नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के उपयोग हेतु जानकारी साँझा की। उन्होंने बताया कि साधारण यूरिया की दक्षता मात्र रहती है तथा बाकि यूरिया मिट्टी जल एवं वायु प्रदुषण का कारण बनती है इसके मुकाबले नैनो यूरिया प्लस की दक्षता है तथा वातावरण में किसी प्रकार प्रदूषण नहीं करती। नैनो यूरिया प्लस में नत्रजन की मात्रा को बढ़ा कर किया गया है जो साधारण यूरिया खाद के अपेक्षाकृत अधिक कारगर है। करंडी के किसान श्री दलबीर सिंह के खेत में मक्के की फसल पर ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया प्लस का छिड़काव किया गया। प्रदर्शन क्षेत्र के दौरान किसानों को ड्रोन के माध्यम से फसलों पर नैनो उर्वरकों के छिड़काव के प्रति जागरूक किया गया। इफको द्वारा दो ग्रामीण युवाओं को ड्रोन उपलब्ध करवाया गया है जो टोहाना तथा भूना क्षेत्र के गावों में फसलों पर नैनो उर्वरकों के छिड़काव के प्रति जागरूक किया गया। इफको द्वारा दो ग्रामीण युवाओं को ड्रोन उपलब्ध करवाया गया है जो टोहाना तथा भूना क्षेत्र के गांवों में फसलों पर नैनो उर्वरकों के छिड़काव का कार्य करेंगे।

दुर्लभ होते हैं ऐसे मददगार

निरंतर एक वर्ष तक कोविड से संक्रमित रोगियों का उपचार करते हुए पुत्र डॉक्टर अमित के स्वंय कोविड से संक्रमित हो जाने के बाद उसके लंग्स पूरी तरह से जवाब दे चुके थे अतः वो पिछले दो महीनों से लगातार एक्मो सपोर्ट पर चल रहा था। हालत नाजुक बनी हुई थी। उसके उपचार के लिए पूरा परिवार दो महीनों से घर से डेढ़ हजार किलोमीटर दूर हैदराबाद में डेरा डाले हुए था। एक्मो सपोर्ट पर ब्लड लॉस बहुत ज्यादा होता है अतः बार–बार रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ रही थी। ब्लड ही नहीं प्लाज्मा व प्लेटलेट्स की भी निरंतर जरूरत पड़ रही थी। सभी मित्र व परिचित लगातार पूरा जोर लगाकर रक्तदान के लिए डोनर भिजवाने की कोशिशों में जुटे हुए थे फिर भी रक्त की कमी पड़ रही थी अतः उन्हें और अधिक डोनर्स भेजने के लिए बार–बार फोन व मैसेज किए जा रहे थे।

एक परिचित द्वारा दिए गए नंबर पर फोन किया तो उन्होंने पेशंट की पूरी डिटेल्स भेजने के लिए कहा। उन्हें उसी समय अपेक्षित विवरण भिजवा दिया। अगले दिन शाम तक जब कोई डोनर नहीं आया तो उनको पुनः फोन किया और कुछ डोनर्स भिजवाने का निवेदन किया। उन्होंने न केवल झुंझलाते हुए अपितु बेहद रूखेपन से जवाब दिया, ''अब रात को मैं कहाँ से डोनर्स लाऊँ? आपकी डिटेल्स हरियाणा नागरिक संघ के ग्रुप में डाल तो दी हैं वे आपसे संपर्क कर लेंगे।'' मैं कुछ कहता इससे पूर्व ही उन्होंने फोन काट दिया। गुस्सा तो बहुत आया उन पर लेकिन जिन सज्जन ने उनका नंबर दिया था उन पर उनसे भी ज्यादा गुस्सा आ रहा था। उन्होंने ऐसे रूखे व असंवेदनशील व्यक्ति का नंबर दिया ही क्यों? अत्यंत विषम परिस्थितियों में भी धूर्त व्यक्ति धूर्तता से बाज नहीं आते।

इस घटना के एक सप्ताह पूर्व ही मेरे एक कजन ने हैदराबाद में रह रहे एक परिचित सुरेश सिंघल जी को हमारी मदद करने के लिए कहा। उन्होंने सीधे सुरेश जी को फोन कर दिया। सुरेश सिंघल जी ने उसी रात स्वयं मुझे फोन किया और सारी जानकारी ली। अगले दिन सुबह ही अपनी गाड़ी भेजकर मिलने के लिए अपने घर बुलाया और वस्तुस्थिति को समझकर हर प्रकार की मदद करने का आश्वासन दिया। हम हैदराबाद में पिछले दो महीनों से जिस मकान में रह रहे थे उसे बदलना चाहते थे। मैंने उन्हें हॉस्पिटल के आसपास किराए पर एक अच्छा सा मकान दिलवाने में मदद करने के लिए कहा। उन्होंने इस विषय में बहुत सारे लोगों से संपर्क किया और मुझे साथ लेकर भी कई जगह गए। कई मकान दिखलाए।

संयोग से एक अन्य परिचित की मदद से अगले दिन ही एक मकान मिल गया। मेरे मन में आया कि क्यों न डोनर्स के लिए भी सुरेश सिंघल जी से मदद ली जाए लेकिन उपर्युक्त घटना के बाद किसी को भी फोन करने से डर सा लग रहा था। अधिकांश लोग एनजीओज के नंबर भेज रहे थे लेकिन लगभग सभी एनजीओज ने न केवल मायूस किया था अपितु बेकार में समय भी खूब नष्ट किया था। दिल्ली के कई बड़े उद्योगपतियों से अच्छे संबंध और मिलना–जुलना रहा है। कई सज्जन निरंतर मिलने के लिए आते रहे हैं। उन लोगों ने भी हैदराबाद में अपने परिचित होने और उनसे हर प्रकार की मदद करवाने का आश्वासन दिया लेकिन कोई एक डोनर भी उपलब्ध नहीं करा पाया और न ही अन्य किसी प्रकार की मदद ही करवा पाया।

हाँ बिहार के आरा की एक एनजीओ ने वहीं से हैदराबाद में लगातार ढाई महीनों तक रक्तदान के लिए नियमित रूप से डोनर्स भिजवाने की व्यवस्था की। ब्लड, प्लाज्मा व प्लेटलेट्स की अत्यधिक आवश्यकता को देखते हुए किसी को भी फोन किया जा सकता था। सुरेश सिंघल जी से मैं मिल चुका था और उनके स्वभाव से भी परिचित हो चुका था फिर भी अगले दिन सुबह कुछ झिझकते हुए से मैंने सुरेश सिंघल जी को फोन किया। उन्होंने बेटे के स्वास्थ्य के विषय में जानकारी ली और कहा कि किसी भी चीज की जरूरत हो तो

सीताराम गुप्ता, ए.डी. 106 सी., पीतम पुरा, दिल्ली – 110034, मोबा0 नं0 9555622323, Email : srgupta54@yahoo.co.in

बतलाएँ। उन्होंने ड्राइवर के साथ एक गाड़ी भी हमें देने की पेशकश की लेकिन हमें गाड़ी की आवश्यकता नहीं थी। मैंने उन्हें स्थिति से अवगत करवाया और कुछ डोनर्स भिजवाने के लिए कहा।

सुरेश सिंघल जी ने पूछा कि कितने डोनर्स की व्यवस्था करनी है? मैंने जब कहा कि दो, चार, दस, बीस जितने संभव हो सकें भिजवा दीजिए तो उन्होंने कहा कि मैं आधा घंटे बाद बात करता हूँ और ये कहकर फोन रख दिया। मन संशयग्रस्त था लेकिन पंद्रह मिनट बाद ही सुरेश सिंघल जी का संदेश आ गया। उसमें बारह व्यक्तियों के नाम लिखे थे। नीचे लिखा था ये सब हमारे परिवार और हमारे पार्टनर के परिवार के बच्चे हैं। ये सब बच्चे रक्तदान करेंगे। आपको किसी भी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है। और अन्य जिस चीज की भी जरूरत हो निस्संकोच बतला दीजिएगा और किसी भी समय फोन कर लीजिएगा। इस संदेश के आधा घंटे के अंदर–अंदर सभी युवक रक्तदान के लिए हॉस्पिटल पहुँच चुके थे। इन युवकों में सुरेश सिंघल जी के भतीजे व दोनों पुत्र भी थे। सचमुच दुर्लभ होते हैं ऐसे व्यक्ति और ऐसे परिवार।

World Environment Day

World Environment Day Absolutely, World Environment Day serves as a powerful reminder of our collective duty to protect and preserve the environment for current and future generations. This year's focus on land restoration, desertification, and drought resilience is especially timely given the ongoing challenges posed by climate change and environmental degradation. Restoring land and combating desertification are critical steps in addressing these challenges. Healthy, productive land is essential for biodiversity, food security, and the livelihoods of millions of people around the world. By restoring degraded land, we can enhance ecosystem services, mitigate climate change, and improve the resilience of communities facing drought and other climate-related risks. Moreover, preserving biodiversity and natural habitats is fundamental to sustainable land management. Healthy ecosystems provide essential services, such as clean water, pollination, and carbon sequestration, which are vital for human well-being and the health of the planet. World Environment Day provides a valuable opportunity for individuals, communities, and governments to come together and take meaningful action. Whether it's participating in

tree-planting initiatives, supporting sustainable agriculture practices, or advocating for policy changes, everyone has a role to play in promoting environmental stewardship and building a more sustainable future.

The #Generation Restoration campaign is a powerful call to action, inspiring people of all ages to join forces and make a positive impact on the environment. By harnessing the collective energy and creativity of people around the world, we can work towards a future where land is restored, ecosystems are healthy, and communities thrive in harmony with nature. Celebrations of World Environment Day on 5th June 2024 at Regional Institute of Cooperative Management, Chandigarh.

मृदा परीक्षण कार्यक्रम

इफको हांसी :– 17 मई 2024 को गांव राखी शाहपुर में इफको द्वारा मृदा परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री पारस (कनिष्ट क्षेत्र प्रतिनिधि) ने मिट्टी जांच के लाभ एवं खेत से मिट्टी नमूना लेने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा कार्यक्रम में ड्रोन के माध्यम स्प्रे के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में किसानों को खेत से मिट्टी का नमूने लेने की विधि का प्रदर्शन भी दिखाया गया। कार्यक्रम में 60 से अधिक किसान मौजूद रहें।

श्री पारस ने किसानों को इफको के नवीनतम उत्पाद नैनो यूरिया तरल एवं नैनो डीएपी तरल के उपयोग हेतु जानकारी साझा की और किसान इसका सभी फसलों पर इस्तेमाल कर सकते हैं। नैनो यूरिया तरल एवं नैनो डीएपी तरल एक नई खोज है, जिससे किसानों को अपनी आमदनी दोगुना करने में मदद मिलेगी। इफको नैनो यूरिया (तरल) दुनिया का पहला नैनो तकनीक पर आधारित उर्वरक है जो की दानेदार यूरिया से लाभदायक है जिससे वायु एवं जल प्रदूषण नही होता है जमीन की उर्वरा शक्ति पर भी कोई नुकसान नही होता है तथा 8 से 10 प्रतिशत उपज भी उपज है। नैनो यूरिया तरल का प्रयोग 4 उस प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर पत्तो पर छिड़काव द्वारा किया जाता है उन्होंने बताया की नैनो यूरिया के साथ सागरिका के उपयोग से फसल में दुगना फायदा होता है तथा इसके इस्तेमाल से भारत सरकार द्वारा पारंपरिक यूरिया पर प्रदत सबसिडी की भी बचत होती है तथा जैव उर्वरक, जल विलेय उर्वरक के बारे में विस्तार से बताया।

ये कैसी हवा है मेरे देश में है चल रही? दहशत के साए में बेटिया है पल रही।

हर माँ अब बेटी को जन्म,
देने से है टल रही,
ये कैसी हवा है मेरे देश में हैं चल रही ?
बेटियों की आबरू का अब कोई मोल नही ?
है ये कानून कैसा कि इसके तराजू में इसका कोई तोल नही।
ये कैसी हवा है मेरे देश में चल रही ?
दहशत के साए में बेटियाँ है पल रही ।
बेटियों को देवियों का सम्मान है दिया,
अब उसी कि आबरू पे क्यों वार है किया ?
कुछ करो ऐसा की यह हवा बदल जाए,
बेटियों कि आबरू पें अब कोई नजर ना उठाए।
ये कैसी हवा है मेरे देश में है चल रही?
दहशत के साए में बेटियों है पल रही।।

हिमांगी शर्मा
1440 सेक्टर 26 पंचकूला, हरियाणा
himangisharmapkl@gmail.com

कहानी

उम्र का मोड़

एक उम्र ऐसी आती है, जब लोग आपको पसंद करें, यह चाह बेहद तीव्र हो जाती है। इस प्रयास में किशोर अजीब–सी होड़ में शामिल हो जाते हैं। अपनी बेटी को ऐसी निरर्थक प्रतिस्पर्धा में घिरता देख मनीषा का चिंतित होना स्वाभाविक ही था और आखिरकार उसने अपनी बेटी को इस होड़ से निकाल लिया। कैसे........

पिछले दो हफ्तों से मनीषा देख रही थी कि उसकी 16 वर्षीय बेटी गीत गुमसुम सी रहने लगी है। उसके भीतर न स्कूल जाने को लेकर कोई उत्सुकता दिखाई दे रही है, न पढ़ाई में उसका मन लग रहा है और न ही वह घर पर किसी से ठीक से बात ही कर रही है। गीत का यह व्यवहार मनीषा को अंदर ही अंदर खाए जा रहा था। उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि गीत के व्यवहार में अचानक यह बदलाव किस वजह से है। उम्र के जिस नाजुक दौर से गीत गुजर रही थी, उसमें भटकाव का होना लाजमी है। इस पड़ाव में अक्सर तेजी से शारीरिक परिवर्तन होते हैं और दूसरों के प्रति आकर्षण होना भी स्वाभाविक होता है।

मनीषा वैसे तो गीत के काफी करीब थी, कभी मां बनकर वह उसे सही–गलत का फर्क बताते हुए सलाह व समझाइश देती तो कभी सहेली बनकर उसके दिल का राज जान लेती, लेकिन इस बार मामला थोड़ा गंभीर लग रहा था। मनीषा भी गीत से सीधे इस विषय पर बात करने के पक्ष में नहीं थी, इसलिए उसको गतिविधियों पर पैनी नजर रखने लगी। उसने देखा कि गीत अक्सर आईने के सामने खड़ी स्वयं को निहारती रहती है। कभी चेहरे पर उबटन लगाती है तो कभी फेस पैक। जो लड़की कभी ठीक से अपने बाल तक नहीं बनाया करती थी, अब पढ़ाई–लिखाई सब छोड़कर घंटों स्वयं को संवारने में लगी रहती है।

गीत का ऐसा व्यवहार मनीषा को यह सोचने पर मजबूर कर रहा था कि कहीं गीत किसी लड़के के प्यार में तो नहीं पड़ गई है? लेकिन गीत के चेहरे की उदासी, उसका घर से बाहर न निकलना, लोगों से मिलने में हिचकिचाना और स्कूल जाने से भी कतराना।

यह सब देख मनीषा दुविधा में पड़ गई कि आखिर उसके ऐसे बर्ताव के पीछे की सच्चाई क्या है? अनेक सवाल मनीषा के दिमाग में कौंध रहे थे।

तभी एक दिन अचानक जब गीत बाहर से घर लौटी तो उसे देख मनीषा हैरान रह गई गीत ने उसे बिना बताए बिना पूछे अपने बाल हाईलाइट करवा लिए थे। यह देख मनीषा को बहुत गुस्सा आया परंतु वह स्वयं को संयत करती हुए बोली– 'अरे गीत, ये क्या? तुमने अपने बाल हाईलाइट क्यों करवा लिए ? यह सब तुम्हारी उम्र और बालों के लिए ठीक नहीं है। इससे बाल खराब हो सकते हैं।'

मनीषा का बस इतना कहना था कि गीत चिढ़ गई और जोर से चिल्लाई 'बाल हाईलाइट करवाने से बाल खराब नहीं होते, उस टौया ने तो अपने पूरे बाल कलर करवा लिए हैं, उसके तो बाल खराब नहीं हुए, उल्टा सभी क्लास में उसके बालों की तारीफ ही कर रहे थे। उसके तो बाल भी अच्छे हैं, उसका रंग भी गोरा है और तो और वह दिखती भी बहुत सुंदर है, इसलिए तो सब उससे दोस्ती करना चाहते हैं और मुझसे कोई नहीं, क्योंकि मेरा रंग सांवला है और मैं अच्छी भी नहीं दिखती।'

इतना कहकर वह पैर पटकते हुई अपने रूम में चली गई। मनीषा अवाक सौ उसे देखती रह गई, लेकिन गीत की बातों से यह स्पष्ट हो गया कि उसके दिल और दिमाग में चल क्या रहा है। गीत के अंदर जो हीनता के भाव व स्वयं को कमतर समझने का बीज अंकुरित हो गया था, उस बोज को वृक्ष बनने से पूर्व रोकना बहुत जरूरी हो गया था, क्योंकि हीनभावना को जलन, दुश्मनी और फिर राह के भटकाव में परिवर्तित होते से मन हट गया है। अभी क्लास में भले ही कोई तुम्हारा दोस्त नहीं है, लेकिन जिस दिन वक्त नहीं लगता, खासकर किशोरावस्था में।

कुछ देर बाद मनीषा ऑरेंज जूस लेकर गीत के कमरे में पहुंची तो वह आईने के सामने खड़ी थी। मां को यूं कमरे के अंदर आया देख झेंप गई और थोड़ा चिढ़ती हुई बोली– 'मम्मी क्या आप डोर नॉक करके नहीं आ सकती ?'

मनीषा ने मुस्कराकर गीत के हाथों में जूस दिया और बोली– 'सॉरी'। पहले तो गीत जूस पीने के लिए तैयार नहीं हुई, लेकिन जब मनीषा ने समझाया कि ऑरेंज जूस स्किन के लिए अच्छा होता है तो वह फौरन मान गईं। जूस पीने के बाद गीत का व्यवहार सामान्य हो गया और कुछ ही देर पहले की अपनी बदतमीजी पर उसने अपनी मां से माफी भी मांगी। मनीषा समझाती हुई बोली, 'बेटा जीवन में देखा–देखी वाली होड़ का कोई महत्व नहीं होता। किसी की शारीरिक सुंदरता लोगों को तुरंत आकर्षित करती है, लेकिन सुंदर मन का जादू भी कम नहीं होता। कुशल व्यवहार, मेहनती रवैया और अच्छी सोच का महत्व हर हाल में रंग रूप से बेहतर माना गया है। तुम टीया की तरह बनने की कोशिश मत करो। तुम जैसी हो वैसी ही बहुत अच्छी हो। टीया की तरह बनोगी, तो उसका प्रतिरूप ही लगोगी। तुम्हारी अपनी पहचान क्या होगी ? तुम पढ़ाई में हमेशा अव्वल रही हो, लेकिन आजकल टीया की छाया बनने के जुनून में तुम्हारा पढ़ाई तुम एग्जाम में अच्छे नंबर लेकर आओगी, सबके साथ अच्छी तरह रहोगी तो सभी तुमसे दोस्ती करना चाहेंगे। तुम अपना समय और ऊर्जा अपनी खुबियों को निखारने में लगाओ। तब तुम्हारी अपनी पहचान बनेगी।'

ऐसा कहकर मनीषा कमरे से बाहर आ गई, लेकिन गीत काफी देर तक अपने कमरे में हो रही, फिर जब वह अपने कमरे से बाहर आई तो खुश थी। मनीषा का संयम और सही समय पर गीत को समझाना सार्थक रहा। गीत अब खुश रहने के साथ ही साथ अपनी पढ़ाई पर भी ध्यान देने लगी। उसके खुद के साथ साम्य बिठा लेने से उसका रवैया बहुत बदल गया था। वो खुश रहती थी। टीया के साथ ही और भी कई बच्चे उसके दोस्त बन गए थे। गीत अब सुंदरता के सही मायने जो समझ गई थी।

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
इफको नैनो यूरिया एवं
इफको नैनो डीएपी का वादा,
उपज अधिक और लाभ ज्यादा
500 मिली ₹600/- में
500 मिली ₹225/- में
NANO DAP
Nano Di Ammonium Phosphate
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Seed Primer | Growth Enhancer | Yield Booster
Less Cost, More Profits
Suitable for all Crops
NANO UREA
LIQUID (4% N w/v)
CROP NUTRITION REDEFINED
Environment Friendly
Growth Enhancer
Yield Booster
One Bottle is Equal to One Bag of Urea
Less Cost, More Profits
Suitable for all Crops
अधिक जानकारी के लिए निकटतम सहकारी समिति या इफको किसान सेवा केंद्र से सम्पर्क करें।
आज ही ऑर्डर करें : www.iffcobazar.in
आर्डर करने के लिए स्कैन करें

सहकारिता विभाग के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार मलिक जी सहकारिता विभाग के सभी नोडल अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए। बैठक में रजिस्ट्रार सहकारी समितियों से श्री वेदरत्न, लेबर फैडरशन से श्री अमन धीमान, हरकोफैड से श्री जगदीप सांगवान व अन्य नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. प्रफुल्ल रंजन प्रबंध निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक लि. (हरको बैंक) चण्डीगढ़ ने बैंक के सभागार कक्ष में सभी जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों के महाप्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक की, इस अवसर पर उन्होंने सभी महाप्रबंधकों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए भरपूर प्रयास करने के निर्देश दिए । बैठक में बैंक के महाप्रबंधक श्री कुलदीप कौशिक, श्री सिद्धार्थ तिवारी,उप–महाप्रबंधक श्री रमेश पुनिया व प्रबंधक श्री जयपाल सिंह उपस्थित रहे।

सोनीपत में साढ़े सात हजार गरीबों, वंचितों और दलितों को 100 गज के प्लॉट का कब्जे का कार्ड रजिस्ट्री सहित सौंपते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह एवं सहकारिता राज्यमंत्री श्री महिपाल ढ़ांडा।

पंचायत भवन चंडीगढ़ में विडियों कॉन्फ्रेसिंग के जरिये पंचायत अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए एवं विभाग से जुड़े विकास कार्यों को गति देने के लिए जरूरी दिशा निर्देश देते हुए विकास पंचायत एवं सहकारिता राज्यमंत्री श्री महिपाल ढ़ांडा।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264